

## भारत और मलेशिया भारतीय रुपए में व्यापार करने पर सहमत

### प्रलिस के लयः

रुपए में व्यापारक लेन-देन, आसयान कषेत्र, भारतीय रज़रव बैंक (RBI), वशष रुपया वोसूरो खाते (SRVAs), भारत का वदशी मुद्रा भंडार, मोदरक नीती

### मेन्स के लयः

भारतीय रुपए में व्यापार करने के भारत के कदम का महत्त्व, रुपए के अंतरराष्ट्रीयकरण से संबंघती चुनौतियाँ ।

## चर्चा में क्यों?

भारत और मलेशिया ने [भारतीय रुपए में व्यापार करने](#) पर सहमत जताई है । इस तंत्र से भारत-मलेशिया द्वपिकषीय व्यापार में वृद्धि होने की उम्मीद है जो क वरष 2021-22 के दौरान 19.4 बलियन अमेरकी डॉलर का था ।

- सगिापुर और इंडोनेशया के बाद मलेशया [आसयान कषेत्र](#) में भारत का तीसरा सबसे बड़ा व्यापारक भागीदार है, जसका भारत के साथ द्वपिकषीय व्यापार क्रमशः 30.1 बलियन अमेरकी डॉलर और 26.1 बलियन अमेरकी डॉलर का है ।

## भारत और मलेशया द्वारा भारतीय रुपए में व्यापार करने का महत्त्वः

### परचयः

- जुलाई 2022 में [भारतीय रज़रव बैंक \(RBI\)](#) ने भारतीय रुपए में अंतरराष्ट्रीय व्यापार के नपिटान की अनुमती दी ।
- दसंबर 2022 में भारतीय रज़रव बैंक द्वारा शुरु कयि गए 'भारतीय रुपए में व्यापार के अंतरराष्ट्रीय नपिटान' तंत्र के हसिसे के रूप में भारत ने रूस के साथ रुपए में वदशी व्यापार का अपना पहला समझौता कयि ।
- मार्च 2023 में RBI द्वारा 18 देशों के बैंकों को भारतीय रुपए में भुगतान का नपिटान करने हेतु [वशष रुपया वोसूरो खाते \(SRVAs\)](#) खोलने की अनुमती दी गई थी ।
  - इसमें शामिल हैं: बोत्सवाना, फज़ी, जर्मनी, गुयाना, इज़रायल, केन्या, मलेशया, मॉरीशस, म्यांमार, न्यूज़ीलैंड, ओमान, रूस, सेशेल्स, सगिापुर, श्रीलंका, तंजानया, युगांडा एवं यूनाइटेड कगिडम ।

### भारतीय रुपए में व्यापार करने के लाभः

- रुपए के मूल्यहरास को नयितरति करनाः
  - भारत मूलतः शुद्ध आयातक देश है तथा भारतीय रुपए का मूल्य लगातार घट रहा है ।
    - अंतरराष्ट्रीय व्यापार हेतु लेन-देन के लयि रुपए का उपयोग करने से भारत से बाहर जाने वाले डॉलर के प्रवाह को रोकने में मदद मलगी और मुद्रा के मूल्यहरास को कम कयि जा सकेगा, हलाँकयिह "बहुत सीमति सीमा तक ही संभव हो सकेगा ।
    - इस प्रकार सबसे महत्त्वपूर्ण बात यह है क इस कदम से [भारत के वदशी मुद्रा भंडार](#) पर दबाव कम होने की उम्मीद है ।
- वस्तुओं और सेवाओं का बेहतर मूल्य नरिधारणः
  - भारतीय रुपए में व्यापार करने से बलिंगि कषमता के साथ भारतीय व्यापारी अपनी वस्तुओं एवं सेवाओं के लयि बेहतर मूल्य प्राप्त कर सकते हैं ।
    - इसके अलावा इस तंत्र से मुद्रा रूपांतरण प्रसार को कम करके व्यापार में दोनों पकषों को लाभ होने की उम्मीद है ।
- रुपए की वैशवक सवीकृतीः
  - रुपए में अंतरराष्ट्रीय व्यापार नपिटान धीरे-धीरे मुद्रा की वैशवक सवीकृती में वृद्धि करेगा और अंततः एशयाई बुनयादी ढाँचा नवश बैंक जैसे फंड बैंकों से लयि गए ऋणों को चुकाने की कषमता में वृद्धि की उम्मीद है ।

### चुनौतियाँः

- भारतीय रुपए की अस्थरिताः
  - भारतीय रुपया अस्थरि और वदशी मुद्रा बाज़ार में उतार-चढ़ाव के अधीन माना जाता है, जो इसे कुछ अंतरराष्ट्रीय व्यापारियों के लयि नपिटान मुद्रा के रूप में कम आकर्षक बना सकता है ।

- घरेलू आपूर्त को नयितरति करने में जटलिता:
  - RBI की रिपोर्ट में चेतावनी दी गई है कि रुपए का 'अंतर्राष्ट्रीयकरण' संभावति रूप से घरेलू मुद्रा आपूर्त को नयितरति करने और घरेलू वृहत आर्थिक स्थितियों के अनुसार ब्याज दरों को प्रभावति करने की केंद्रीय बैंक की क्षमता को सीमति कर सकता है।
  - अंततः यह **मौद्रिक नीति** तैयार करने के संदर्भ में जटलिताओं का कारण बन सकता है।
- अन्य मुद्राओं के साथ प्रतसिपर्द्धा: भारतीय रुपए को अमेरिकी डॉलर, यूरो और येन जैसी अन्य प्रमुख मुद्राओं से प्रतसिपर्द्धा का सामना करना पड़ सकता है, जो पहले से ही अंतर्राष्ट्रीय व्यापार नपिटान हेतु व्यापक रूप से स्वीकार किये जाते हैं।

## वोस्त्रो खाता (Vostro Account):

- वोस्त्रो खाता एक एसा खाता है जिसमें घरेलू बैंक वदिशी बैंकों के लिये घरेलू मुद्रा रखते हैं, इस मामले में रुपया।
  - घरेलू बैंक इसका उपयोग अपने उन ग्राहकों को अंतर्राष्ट्रीय बैंकगि सेवाएँ प्रदान करने हेतु करते हैं जिनको वैश्विक बैंकगि की ज़रूरत है।
- वोस्त्रो खाता रखने वाला बैंक वदिशी बैंक के धन के संरक्षक के रूप में कार्य करता है और मुद्रा रूपांतरण, भुगतान प्रसंस्करण एवं खाता मलान जैसी वभिन्न सेवाएँ प्रदान करता है।

## नषिकर्ष:

अपने अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के वडॉलरीकरण की दशा में ठोस कदम उठाने और रुपए को व्यापार योग्य मुद्रा बनाने की भारत की इच्छा रुपए के अंतर्राष्ट्रीयकरण की दशा में महत्त्वपूर्ण कदम है। जिसके लिये भारत को महत्त्वपूर्ण सुधारों द्वारा समर्थति अपने नरियात में वृद्धिकरनी चाहिये जिसमें पूंजी खाता परविरतनीयता, बड़े पैमाने पर पूंजी के प्रवाह एवं बहरिवाह को प्रबंधति करने हेतु वत्तीय बाज़ारों को मज़बूत करना शामिल है।

## UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

प्रश्न. रुपए की परविरतनीयता से क्या तात्पर्य है? (2015)

- रुपए के नोटों के बदले सोना प्राप्त करना
- रुपए के मूल्य को बाज़ार की शक्तियों द्वारा नरिधारति होने देना
- रुपए को अन्य मुद्राओं में और अन्य मुद्राओं को रुपए में परविरतति करने की स्वतंत्र रूप से अनुज्जा प्रदान करना
- भारत में मुद्राओं के लिये अंतर्राष्ट्रीय बाज़ार वकिसति करना

उत्तर: (c)

प्रश्न. भुगतान संतुलन के संदर्भ में नमिनलखिति में से कसिसे/कनिसे चालू खाता बनता है? (2014)

- व्यापार संतुलन
- वदिशी परसिपत्तयिँ
- अदृश्यों का संतुलन
- वशिष आहरण अधकिकार

नीचे दयि गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनयि:

- केवल 1
- केवल 2 और 3
- केवल 1 और 3
- केवल 1, 2 और 4

उत्तर: (c)

## स्रोत: द हद्रि

